S-340

Total Pages : 2 Roll No. .....

MAJY-503

पंचांग एवं मुहूर्त्त-01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. भारतीय ज्योतिष में पंचांग के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

2. ऋग्वैदिक युग में पंचांग की परम्परा को उद्धृत कीजिए।

3. पंचांग के प्रमुख अंगों का वर्णन कीजिए।

4. सायन पंचांग क्या है, इसका निरूपण कीजिए।

5. तिथि साधन कैसे किया जाता है, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. करणों का शुक्लपक्ष एवं कृष्णपक्ष के आधार पर विवेचना कीजिए।

2. पंचांग के आधार पर योग कितने प्रकार के होते हैं, उनको लिखिए।

3. उर्ध्व मुख नक्षत्रों का नाम लिखिए।

4. वारप्रवृत्ति में होरा के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

5. धनिष्ठा से रेवती नक्षत्र तक में उत्पन्न जातक का फल लिखिए।

6. वारों का परिचय दीजिए।

7. योग साधन कैसे किया जाता है, स्पष्ट कीजिए।

8. तिथि एवं नक्षत्रों के आधार पर शुभाशुभ का वर्णन कीजिए।